ओ३म्

आर्य मार्तण्ड

200 महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती

वैदिक संस्कृति संरक्षण एवं सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, राजापार्क, जयपुर

वर्ष 97 अंक 18 पृष्ठ 16 मूल्य ₹5/- जून द्वितीय प्रकाशन 21 जून से 04 जुलाई, 2023

नमस्ते

वैदिक अभिवादन

नमस्ते को पूरा विश्व अपनाने लगा है । यह आर्य समाज के लिए एक गौरव की बात है ।

नमस्ते

नमस्ते का अर्थ है की हम आपके प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। नमस्ते हमारी संस्कृति का हिस्सा है

नमस्ते नमस्ते नमस्ते नमस्ते नमस्ते नमस्ते नमस्ते

ओ३म्

वैदिक अभिवादन

सबको सादर नमस्ते जी

आर्यवीर दल का आर्य समाज छानी बड़ी में शिविर।

आर्य समाज जोधपुर रातानाड़ा का १४० वां ऋषि आगमन स्मृति सम्मेलन की झलकियाँ।

बाँसवाड़ा में सूरत के हीरा व्यापारी श्री दयाल भाई द्वारा दयानंद सेवा आश्रम में उनके द्वारा गुरुकुल के भवन का शुभारंभ के कार्यक्रम की झलकियाँ।

आर. एन. आई. नं. 10471/60

ओ३म्

आर्य मार्तण्ड

आर्यप्रतिनिधिसभा राज. का मुखपत्र

आषाढ़, शुक्लपक्ष, द्वितीया, सम्वत् 2080, कलि सम्वत् 5124, दयानन्दाब्द 199, सृष्टि सम्वत् 01,96,08,53,124

संरक्षक

1. डॉ. रमेशचन्द गुप्ता, अमेरिका
2. श्री दीनदयाल गुप्त (डॉलर फाउन्डेशन)

प्रेरणा स्रोत

1. श्री विजयसिंह भाटी
2. श्री जयसिंह गहलोत

सम्पादक

1. श्री जीव वर्धन शास्त्री

परामर्शक

1. डॉ. मोक्षराज

सम्पादक मण्डल

1. डॉ. सुधीर कुमार शर्मा
2. श्री अशोक कुमार शर्मा
3. डॉ. सन्दीपन कुमार आर्य
4. श्री नरदेव आर्य
5. श्री बलवन्त निडर
6. श्री ओमप्रकाश आर्य

दृष्ट्वा रूपे व्याकरोत् सत्यानृते प्रजापतिः।
अश्रद्धामनृतेऽदधाच्छ्रद्धां सत्ये प्रजापतिः।।

विषयानुक्रम

बरेली में आर्यसमाज का उद्भव — 04

समाचार — वीथिका — 10

आर्य मार्तण्ड

वार्षिक सदस्यता शुल्क	—	**रु. 100/—**
पाक्षिक प्रकाशन सहयोग	—	रु. 2100/—
मासिक प्रकाशन सहयोग	—	रु. 5100/—
षाण्मासिक प्रकाशन सहयोग	—	रु. 11000/—
वार्षिक प्रकाशन सहयोग	—	रु. 21000/—

प्रकाशक

आर्य प्रतिनिध सभा राजस्थान राजापार्क,
जयपुर — 302004
0141—2621879, 9314032161
e-mail : aryapratinidhisabhrajasthan@gmail.com

मुद्रण : दिनांक 20.06.2023

आर्य मार्तण्ड पत्रिका में प्रकाशित समस्त लेखों में व्यक्त विचार सम्बन्धित लेखक के हैं। सम्पादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी प्रतिवाद हेतु न्याय क्षेत्र जयपुर ही होगा। आपत्ति की अवधि प्रकाशन तिथि से एक माह के भीतर ही मानी जायेगी।

दि राजस्थान स्टेट को—ऑपरेटिव बैंक लि.
खाता धारक का नामः—आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, जयपुर
खाता संख्या :— 10008101110072004
IFSC Code :- RSCB0000008
सभा को दिया गया दान आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत करमुक्त है।
AAHAA5823D/08/2020-21/S-008/80G

प्रकाशक एवं मुद्रक श्री जीव वर्धन शास्त्री ने स्वामी आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान राजापार्क जयपुर की ओर से वी.के. प्रिन्टर्स सुदर्शनपुरा जयपुर से आर्य मार्तण्ड पत्रिका मुद्रित कराई और आर्य प्रतिनिधि सभा राजापार्क जयुपर से प्रकाशित सम्पादक— **श्री जीव वर्धन शास्त्री—मन्त्री, आर्य प्रतिनिधि सभा**

बरेली में आर्यसमाज का उद्‌भव एवं आर्यविभूतियाँ

–आचार्य (डॉ.) श्वेतकेतु शर्मा

बरेली में आर्य समाज का उद्‌भव– महर्षि अरविंद घोष ने एक स्थान पर लिखा है कि ''जिस प्रकार संसार की चोटियों में सर्वोच्च चोटी हिमालय है, उसी प्रकार इस युग में ऋषि, महर्षि, महात्मा, संन्यासियों व युग निर्माताओं में राष्ट्रपितामहा युगनिर्माता महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती हिमालय की सर्वोच्च चोटी के समान थे।''

अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती जी ने श्रद्धांजलि स्वरूप 1925 में मथुरा में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की जन्मशताब्दी पर निम्न विचार व्यक्त किये थे– ऋषिवर! तुम्हें भौतिक शरीर त्यागे 42 वर्ष (1925 ई.) हो चुके, जिसमें तुम्हारी दिव्य मूर्ति (जिसके प्रथम व अन्तिम दर्शन बरेली में अगस्त 1879 में किये थे, मेरे हृदय तट पर अब तक ज्यों के त्यों अंकित है। मेरे निर्मल हृदय के अतरिक्त कौन मरणधर्मा मनुष्य जान सकता है, कि कितनी बार गिरते–गिरते तुम्हारे स्मरण मात्र से मेरी आत्मिक रक्षा की है। तुमने कितनी बार गिरी हुई आत्माओं की कायापलट की, इसकी गणना कौन मनुष्य कर सकता है, परमात्मा के सिवाय, जिसकी पवित्र गोद में तुम इस समय विचर रहे हो। कौन कह सकता है, कि तुम्हारे उपदेशों से निकली हुई अग्नि ने संसार में प्रचलित कितने पापों को दग्ध कर दिया है? परन्तु अपने विषय में, मैं यह कह सकता हूं ,कि तुम्हारे सहवास ने मुझे कैसी गिरी हुई अवस्था से उठाकर सच्चा जीवन लाभ पाने के योग्य बनाया।''

सच बात यह है कि भारत देश व समूचे विश्व को हिमाचल की चोटी के समान श्रद्धानन्द जैसे निर्भीक, निडर और अड़िग संन्यासी देने का गौरव यदि किसी नगर को जाता है तो वह है ''बरेली''। जिस विभूति को यह श्रेय दिया जा सकता है तो वह एक मात्र ऋषिवर– महर्षि दयानन्द सरस्वती।

ऐसे महानतम व्यक्तित्व का पदार्पण बरेली में तीन बार हुआ, (1)–प्रथम बार शाहजहांपुर से मुरादाबाद जाते हुये मार्गशीष कृ. 5 संवत 1933 वि. तदनुसार 6 नवम्बर 1876 बरेली प्रथम बार आये थे और दो सप्ताह तक रूके थे। (2)– महर्षि दयानन्द का मुरादाबाद से वापस कर्णवास जाते समय 29 नवम्बर 1876 ई को बरेली आगवन हुआ, एक दिन खजांची लक्ष्मीनारायण जी यहाँ रात्रि विश्राम के बाद सवेरे ही कर्णवास को प्रस्थान किया। (3)– अन्तिम बार बदायूं से भाद्रकृष्ण 12 संवत् 1936 तद्‌नुसार 14 अगस्त 1879 को तीसरी बार आये और तीन सप्ताह 4 सितम्बर 1879 ई. तक रहे थे।

इस अन्तिम प्रवास में (1)– नित्य सार्वजनिक प्रवचन व शंका समाधान (2)– बरेली के पादरी डॉ. टी.जे. स्कॉट से तीन लिखित शास्त्रार्थ हुये (3) गिरजाघर में पादरी डॉ. टी.जे. स्कॉट के अनुरोध पर उपदेश दिया (4) स्वलिखित आत्मवृत्त प्रथम किस्त थियोसोफिस्ट को प्रकाशन को भेजा (5)– भरी सभा में सिहं गर्जना ''लोग कहते हैं सत्य को प्रकट मत करो, कलेक्टर क्रोधित होगा, कमिश्नर अप्रसंन्न होगा, गवर्नर पीड़ा देगा, अरे चक्रवर्ती राजा भी क्यों न हो, हम तो सत्य ही कहेंगे। (6)– घोर नास्तिक मुन्शीराम के जीवन में आस्तिकता का बीजारोपण कर जाना, जिससे नया इतिहास भारत भूमि पर रच गया।

महर्षि दयानन्द के तीसरे प्रवास 25, 26, 27 अगस्त 1879 को फादर टी. जे. स्कॉट से मोती पार्क कुतबखाने पर ऐतिहासिक शास्त्रार्थ तीन विषयों (1)– पुनर्जन्म (2)– ईश्वरावतार (3)– मनुष्य के पाप बिना फल भुगते क्षमा किये जाते है या नहीं? पर शास्त्रार्थ हुआ था।

उस समय ऋषि दयानन्द ने देखा कि अन्धविश्वास, कुरीतियां चरमसीमा पर थीं, आठ–आठ आने में निर्धन, असहाय, असमर्थ, अनाथ बच्चों को बेच जाते थे, तो स्वामी जी का हृदय उससे अत्यधिक द्रवित हुआ। बरेली में सब्जमण्डी के अन्दर एक चर्च था, जो एक अन्धविश्वास व कुरीतियों को पसोरते हुये, एक अनाथालय के रूप में भी कार्य करता था, जहाँ हिन्दू व मुसलमान दोनों ही अपने अनाथ निर्धन बच्चों को छोड़ देते थे या बेच देते थे।

ऋषि दयानन्द सरस्वती की करूणामयी भावना से यह देखा न गया और अपने निकटतम खजांची लक्ष्मीनारायण रईस व कुछ प्रबुद्धजनों को प्रेरणा देकर आर्यसमाज बिहारीपुर गली आर्यसमाज की स्थापना 1883 व वर्ष 140 विक्रम सन् 1883 को आर्यसमाज अनाथालय की स्थापना की गई, जो वर्तमान में आर्यसमाज बिहारीपुर, कुतबखाने के समीप गली में स्थित है जिसे आर्यसमाज गली, महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती चौक के नाम से जाना जाता है, जहाँ आर्यसमाज अनाथालय की भी स्थापना की गई जो अब सी.आई.ई. पं. हेतराम जी द्वारा दी गई जमीन पर आर्यसमाज अनाथालय स्थित है।

ऋषि दयानन्द के बरेली प्रवास में लाला लक्ष्मीनारायण खजांची व मुन्शीराम (बाद में स्वामी श्रद्धानन्द) के अतरिक्त विद्माराम जयसवाल, ठाकुरदास वैश्य, पं. हेतराम, बांकेबिहारी लाल, पं मथुराप्रसाद रईस, बाबू बलदेवप्रसाद वकील, पं गंगाराम आदि विशेष रुप से प्रभावित हुये, इन्होंने ही बरेली में आर्यसमाज का अद्भुत अद्वितीय कार्य किया।

बाबू बलदेवप्रसाद दोबार अखिल भारतीय कायस्थ सभा के सभापति भी रहे तथा 1893 ई में आपने आर्यसमाज हाईस्कूल व आर्यकन्या पाठशाला भूड स्थापित की थी, स्कूल 1911 में किन्हीं कारणों से बन्द हो गया था, परन्तु कन्या पाठशाला को लालता प्रसाद जी व मुकुटबिहारी लाल जी मोहल्ला भूड पर ले आये थे जो आर्यसमाज भूड के प्रबन्धन में आज कन्या डिग्री कॉलेज है। 1902 ई. में आर्यसमाज भूड की स्थापना हुई थी, जिसका गौरवशाली इतिहास है। इसके बाद पिछले 145 वर्ष के इतिहास में बरेली शहर के अतरिक्त तहसीलों व ग्रामीण क्षेत्रों में अनेको आर्यसमाजों की स्थापना हो चुकी है जिनमें शहरी क्षेत्र में (1)– आर्यसमाज कैन्ट (2)– आर्यसमाज सुभाष नगर (3)– आर्यसमाज मॉडल टाउन (4)– आर्यसमाज जगतपुर (5)– आर्यसमाज नगरिया परिक्षित (6)– आर्यसमाज बिहारीपुर (7)– आर्यसमाज भूड (8)– आर्य स्त्रीसमाज बिहारी पुर (9)– आर्यसमाज कलेक्टर बुकगंज आदि तथा तहसील स्तर पर (1)– आर्यसमाज नवाब गंज (2)–आर्यसमाज आंवला (3)– आर्यसमाज बहेडी (4)– आर्यसमाज मीरगंज (6)– आर्यसमाज फरीदपुर में स्थापित होने के साथ इन तहसीलों के ग्रामीण अंचलों में भी सैंकडों आर्यसमाजों की स्थापना हो चुकी है , जो आज भी वैदिक सिद्धांतों के प्रचार–प्रसार के लिये गतिशील है, यह सभी बरेली की आर्यसमाजें ,आर्यसमाजों को संरक्षण, संचालन व गतिशील बनाने के लिये उत्तर प्रदेश की सर्वोच्च संस्था आर्य प्रतिनिधि सभा उ प्र, लखनऊ से मान्यता प्राप्त है ।

बरेली में आर्यसमाज की सैकड़ों शिक्षण संस्थायें

भी गतिशील है, आर्यसमाज बिहारीपुर के अधीन आर्यसमाज अनाथालय, महिला अनाथालय सिविल लाइन, आर्यसमाज भूड के अधीन आर्यकन्या भूड डिग्री कॉलेज, भूड, महावीरप्रसाद आर्यकन्या इन्टर कॉलेज भूड, आर्यसमाज भूड संस्कृत पाठशाला (जो वर्षों तक चली बाद में बन्द हो गई, इस संस्कृत पाठशाला में सैंकड़ों छात्रों ने स्नातक उपाधि ग्रहण करके राष्ट्रीय स्तर पर काम किया), आर्यसमाज जगतपुर के अधीन दयानन्द बाल विद्या मन्दिर, आर्यसमाज सुभाष नगर के अधीन आर्यपुत्री इन्टर कॉलेज, विर्धाय सभा के अधीन (एस. बी. इन्टर कॉलेज , स्त्री सुधा आर्यकन्या इन्टर कॉलेज, गांधी हायर सैकेन्डी स्कूल, कलेक्टर बकगंज इन्टर कॉलेज), आर्यसमाज मॉडल टाउन के अधीन दयानन्द बाल विद्या मन्दिर संचालित हो रहे है।

डी.ए.वी. इन्टर कॉलेज, बरेली (यह आर्यसमाज अनाथालय प्रांगण में स्थित है जो अनाथालय की प्रबन्ध समिति द्वारा स्थापित किया गया था, बाद में स्वतन्त्र कमेटी में परिवर्तित होगया, आज हाईस्कूल तक रह गया, आर्यसमाज अनाथालय से लीज पर भूमि लेकर बनाया गया था)।

इसके अतरिक्त प्रत्येक तहसील की आर्यसमाजों व ग्रामीण आर्यसमाजों के द्वारा भी अनेकों दयानन्द बाल विद्या मन्दिर संचालित हो रहे है।

महर्षि दयानन्द सरस्वती की बरेली में वैदिक गूंज के बाद 145 वर्ष के इतिहास में आर्य विद्वानों, विदुषियों, और वेदाचार्यों की एक लम्बी श्रृंखला है, जो बरेली नगर निरंतर आर्यजगत् को देखता चला आ रहा है, महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के चरण इस बरेली धरती पर ऐसे पढ़े कि उनके तप और त्याग के फल स्वरूप यह धरती वेद के विद्वानों व मनीषियों से भरी रही है और रहेगी ।

बरेली की अन्तर्राष्ट्रीय आर्य विभूतियां– युगनिर्माता महर्षि दयानन्द सरस्वती को कोटिशः नमन जिनके द्वारा वेद की ज्योति के प्रज्वलित होते ही लाखों की संख्या में विश्व स्तर पर महापुरुषों का उदय होने लगा, ऋषि दयानन्द का वाक्य ''वेदों की ओर लौटें'' की उद्घोषणा के बाद जो सामाजिक, पारिवारिक व राष्टीय रूप से जो क्रांति आई जिससे आर्योदय की परिकल्पना साकार होती दिखने लगी। सैंकड़ों की संख्या में विद्वान् विदुषियों का बनना प्रारम्भ हो गया, जिसके ज्ञान से ''भा प्रभा यस्यां रतं भारतम्'' का यशोगान सर्वत्र फैलने लगा।

आर्योदय की ज्योति प्रकाशवान् होते ही ऋषि दयानन्द के बाद विद्वान् व विदुषियों का युग पुनः प्रारम्भ हो गया, बरेली की पावन भूमि पर ऋषि दयानन्द के पदार्पण व उनकी प्रेरणा से समाज की विभिन्न विसंगतियों, अन्धविश्वास, कुरीतियों को दूर करने के लिये वैदिक ज्ञान, विज्ञान व वैदिक विचारधारा से ओतप्रोत विद्वानों व विदुषियों का क्रम तीव्रगति से बढ़नें लगा, जिसे बरेली की पावन भूमि से देश–विदेश में वेद की ज्योतिशिखा सर्वत्र फैलने लगी। जिसमें बरेली की निम्न विभूतियों ने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बरेली को गौर्वान्वित किया–

(1)– पं. बिहारीलाल शास्त्रार्थ महारथी– पं बिहारीलाल शास्त्री इस युग में बरेली के महानतम वैदिक वाड्मय के योद्धाओं में थे, जिन्होंने शास्त्रार्थ व तर्क शैली के द्वारा सैंकड़ों को नतमस्तक कर दिया था, सम्पूर्ण देश में वैदिक ध्वजा को फैलाते हुये ऋषि के कार्यो को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया, अनेकों पुस्तकों के रचयिता प्रकाण्ड विद्वानों में आप थे।

(2) आचार्य विश्वश्रवा व्यास– बरेली के

मोती लाल की बजरिया के निवासी थे, जिन्होने विश्व स्तर पर वैदिक चिन्तन को रखा था, अनेकों वैदिक ग्रन्थों के रचयिता थे, सन्ध्या पद्दति मीमांसा आपका सुप्रसिद्ध ग्रन्थ था। आपने अनेकों ग्रन्थ लिखे थे, परन्तु प्रकाशित नहीं हो पाये। वैदिक सिद्धान्तों पर आपको सर्वाधिकार था यदि यह कहा जाय कि आप वैदिक सिद्धान्तों के स्वयं प्रमाण थे तो अतिश्योक्ति न होगी, आपके घर पर एक विशाल अद्भुत व अमूल्य, अप्राप्य ग्रन्थों का पुस्तकालय था ,पुस्तकालय की प्रत्येक पुस्तक का प्रत्येक पृष्ठ आपके मस्तिष्क में था, आपके अन्तिम क्षणों में अस्वस्थता के कारण नेत्र ज्योति अत्यन्त न्यून हो गई थी फिर भी अपने हाथ से पुस्तक अलमारी से निकाल कर प्रमाणित पृष्ट निकाल कर सामने रख देते थे, पुस्तकों से इतना लगाव था कि किसी भी व्यक्ति को अपने पुस्तकालय में न घुसने देते थे न ही पुस्तकों को छूने भी नहीं देते थे, किसी को किसी पुस्तक की आवश्यकता हो तो नेत्रों से न देखने के बाद भी स्वयं को अपने ही हाथ से निकाल कर दे देते थे, अद्भुत ज्ञान के भण्डार थे।

(3) वेदभारती डॉ. सावित्री देवी शर्मा वेदाचार्या– बरेली नगरी को विश्व स्तर पर पहुंचाया था, पाँच विषय में आचार्य, दो विषय में एम. ए. व पीएच.डी. थी। विश्व की प्रथम महिला वेदाचार्या, विश्व की चतुर्थ आर्यमहिला विदुषी, शतपथ ब्राह्मण की भाष्यकार, शतपथ के प्रतीक नामक विशाल ग्रन्थ की रचयिता, वैदुष्य से ओतप्रोत, वेदों की प्रकाण्ड विदुषी, सम्पूर्ण देश में वेदों के उपदेशों से जन–जन में वैदिक क्रांति करने वाली, अनेकों राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित थीं। सैंकडों नारियों को संस्कृत भाषा व वेदों को पढ़ा कर स्त्रियो का सम्मान प्रदान कर वेदों को पढ़ने का अधिकारी बनाया। आपके पारिवारिक की मातृभाषा संस्कृत थी। आपने किसी लालशाह आर्य का नया इन्टर कॉलेज से प्राचार्य व आर्य कन्या इन्टर कॉलेज मिर्जापुर में संस्कृत प्रवक्ता भी रह चुकी थी।

शेष भाग अगले अंक में.....

(वैदिक प्रवक्ता) पूर्व सदस्य हिन्दी सलाहकार समिति, भारत सरकार एवं पूर्व मंत्री आर्यसमाज बिहारीपुर व अनाथालय, बरेली
gmail:shwetketusharma@gmail-com

शोक समाचार

बहुत दुःखद समाचार है आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के कार्यालय व्यवस्थापक श्री रमाशंकर शिरोमणि जी के बड़े भ्राता का 29 मई 2023 को देहावसान हो गया। यह समाचार सुन कर आर्य प्रतिनिधि सभा के सभी पदाधिकारी गणों को बहुत दुःख हुआ। आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के सभी पदाधिकारी गण, सदस्य गण, दिवंगत आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि परिवारजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

– श्री आर्य किशनलाल गहलोत, श्री जीव वर्धन शास्त्री, जयसिंह गहलोत, डॉ. सुधीर शर्मा, श्री अशोक शर्मा, डॉ. संदीपन, श्री नरदेव आर्य, श्री अशोक आर्य व समस्त कार्यकारिणी सदस्य।

ऋग्वेद | ओ३म् | यजुर्वेद

25वां आर्य महा सम्मेलन एवं विश्व शान्ति महायज्ञ

दिनांक 02 जुलाई 2023, रविवार से
06 जुलाई 2023, गुरूवार तक
आषाढ़ शुक्ल चतुर्दशी से श्रावण कृष्ण तृतीया तक

यज्ञ स्थल : **अभिनन्दन मैरिज होम**
पाई बाग, भरतपुर (राज०)

यज्ञ के ब्रह्मा :– आर्य जगत के प्रसिद्ध वक्ता
श्री उमेशचन्द कुलश्रेष्ठ (आगरा)

स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती (सांसद सीकर), श्री आर्य किशनलाल गहलोत (प्रधान–आर्य प्रतिनिधि सभा राज०) **श्री जीववर्धन शास्त्री** (मंत्री–आर्य प्रतिनिधि सभा राज०) **राष्ट्रीय भजनोपदेशक श्री नरदेव आर्य** (बछगदी), **प्रसिद्ध भजनोपदेशिका बहिन अञ्जलि आर्या** (करनाल), **आचार्य तरुण जी** (अधिष्ठाता–गुरुकुल भादरा, गूँह) **आचार्य श्री रविशंकर** (बयाना), **ब्रह्मचारिणीयां कन्या गुरुकुल भुसावर, आर्य वीर दल भरतपुर एवं बयाना, आचार्य श्री अवनीश मैत्रि** (जयपुर) **आदि अनेक मूर्धन्य विद्वान एवं सन्यासी पधार रहे हैं।**

संरक्षक :	प्रधान :	मन्त्री :
वेदमुनि वानप्रस्थी	सत्यदेव आर्य	मानसिंह आर्य
M. 09582554569	आर्य शोरूम, भरतपुर	(राज्य कुस्ती कोच)
	M. 9414023916	M. 9413191942
कोषाध्यक्ष :	कार्यक्रम संयोजक :	कार्यक्रम संयोजक :
डॉ. एन. डी. शास्त्री	रामसिंह वर्मा	ओमप्रकाश आर्य
(से.नि. प्रोफेसर)	(से.नि. व्याख्याता)	(वैदिक प्रवक्ता)
M. 9414268027	M. 9588864272	M. 9983448715

सामवेद | अथर्ववेद

!! ओ३म् !!

40 वेद पारायण यज्ञ एवं सत्संग समारोह

(सामवेद पारायण यज्ञ)

(दिनांक 30 जून से 2 जुलाई 2023)

श्रीमान् .....

परमात्मा की महती कृपा से पद्मिनी आर्ष कन्या गुरूकुल चित्तौड़गढ़ (राज.) में दिनांक **30** जून से **02** जुलाई **2023** को सामवेद पारायण यज्ञ व सत्संग का आयोजन किया जा रहा है । इस अवसर पर आचार्य धनन्जय (गुरूकूल पोंधा देहरादून), जीववर्धन जी शास्त्री (मंत्री आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान),भीष्मकुमारजी (आर्य भजनोपदेशक), डॉ रविन्द्र कुमार शास्त्री (हरिद्वार) आचार्या नर्मदा व आचार्या अनुसुईया (कन्या गुरूकूल चित्तौड़गढ़) आदी महानुभाव पधार रहे है । जिनके भजन एवं प्रवचनो का लाभ प्राप्त करने हेतु अवश्य पधारें ।

कार्यक्रम

दिनांक 30 जून व 1 जुलाई 2023
आयुष्काम यज्ञ (श्रीमती सुदक्षीणा शास्त्री के जन्मदिन के अवसर पर)
प्रातः 7:30 बजे से 10:00 बजे व सायं 5:00 बजे से 7:00 बजे
यज्ञ - भजन एवं प्रवचन

दिनांक 2 जुलाई 2023 रविवार
प्रातः 7:30 बजे से 10:00 बजे यज्ञ की पूर्णाहुती व भजन प्रवचन
प्रातः 10:30 बजे धन्यवाद एवं शान्तिपाठ

कार्यक्रम स्थल

पद्मिनी आर्ष कन्या गुरूकुल प्रताप नगर चित्तौड़गढ, राजस्थान

-निवेदक-

डा.सोमदेव शास्त्री, प्रणव एवं अनिरूध्द शास्त्री

-प्रबंधक-

- ग्राम सेवाश्रम न्यास -
ट्रस्टी गण
देवेन्द्र शेखावत,जीववर्धन शास्त्री
विजय कुमार शर्मा, दीनदयाल गुप्त
रूपसिंह शक्तावत, गिरिराज गिल

- गुरूकूल संचालन समिति -
संरक्षक - प्रमोद राघव (यु.एस.ए.)
अध्यक्ष - विक्रम आंजना (निम्बाहेड़ा)
मंत्री - श्रीमती सरला गुप्ता (उदयपुर)
कोषाध्यक्ष - कुंजीलाल पाटीदार (नैनोरा)

-संपर्क-

डा.सोमदेव शास्त्री-9869668130, नर्मदा शास्त्री -9439593914

समाचार – वीथिका

1–माउण्ट आबू गुरुकुल में बैठक सम्पन्न

राजस्थान के सभी आर्यजनों सुनो
नगाड़ा धर्म का बजता है, आज़मा ले जिसका जी चाहे
बहेगी सद्ज्ञान की गंगा, नहा लें जिसका जी चाहे।

रणभेरी बज गई है, नगाड़ा बजने लगा है।

राजस्थान प्रदेश का प्रान्तीय आर्य महा सम्मेलन सितम्बर 2023 को मनाने का सर्वसम्मति से निर्णय आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान की आहूत आम सभा जो माउण्ट आबू के गुरुकुल में दिनांक 27 व 28 मई 2023 को रखी गई थी उस बैठक में सभी आर्यो की उपस्थिति में लिया गया है।

अब आप सभी आर्यजनों से निवेदन है कि ऋषि के 200वें जन्मजयंती उत्सव को धूमधाम से मनाने की तैयारी अभी से शुरू कर दें और अपने परिवार सम्बन्धियों को प्रेरित कर इस कार्यक्रम में हज़ारों की संख्या में जयपुर पधारने की तैयारी कर सम्मेलन को सफल बनाने में अपना नाम लिखायें। धन्यवाद।

आर्य किशनलाल गहलोत–प्रधान, श्री जीववर्धन शास्त्री–मन्त्री, श्री जयसिंह गहलोत–कोषाध्यक्ष, डॉ. सुधीर शर्मा, डॉ. संदीपन आर्य, श्री अशोक शर्मा, श्री सत्यदेव गुप्ता–उप प्रधान भरतपुर संभाग, श्री अशोक आर्य केकड़ी–उप प्रधान अजमेर संभाग, श्री शिवप्रकाश कौशिक–उप प्रधान जयपुर संभाग, श्री नरदेव आर्य–उप प्रधान उदयपुर संभाग, श्री सवाईराम आर्य–उप प्रधान जोधपुर संभाग, श्री आनंद मोहन आर्य–उप प्रधान बीकानेर संभाग, श्री रमेश गोश्वामी–उप प्रधान कोटा संभाग, श्री सत्यवीर आर्य–पुस्तकालय अध्यक्ष, डॉ. मोक्षराज–वेद प्रचार अधिष्ठाता व सभी अंतरंग सदस्य व राजस्थान के सभी प्रतिनिधि गण।

2– **''वर्तमान की आवश्यकता''**– वर्तमान में जिस प्रकार ईसाई और इस्लामी मिशनरी हिंदुओं के विरुद्ध सुनियोजित षड्यंत्र के द्वारा हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कर रही हैं, हिंदू लड़कियों का अपहरण व बलात्कार कर रही है और हम चुपचाप कायरों की भांति सोचते हैं कि सरकार या राष्ट्रीय नेता कुछ करेंगे, तो हम बहुत गहरे अंधेरे में हैं।

इस षड्यन्त्र के विरुद्ध केवल और केवल आर्यसमाज संस्था ही खड़ी होकर हिंदुओं को बचा सकती है।

आज हम आर्यों को उपदेशों के स्थान पर गरीब व कच्ची बस्तियों में कार्य करने की आवश्यकता है। जिन हिंदुओं ने अपना धर्म परिवर्तन कर लिया है उन्हें शुद्धिकरण के माध्यम से पुनः अपने धर्म में लाना ही होगा ।

अब इन जिहादियों को कड़ा सबक सिखाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इस हेतु हमें संविधान के कुछ अनुच्छेदों में भी परिवर्तन करना होगा और सरकार के विरुद्ध भी खड़ा होना होगा।

कभी आर्यसमाज की आवाज ब्रिटिशों तक गूंजी थी। आज एक बार फिर उसी बुलंद आवाज की आवश्यकता है, अरे कारवाँ तो अपने आप बन जाएगा।

अतः आज उपदेशों की नहीं, हमें जमीन पर निस्वार्थ, निर्भीक होकर कार्य करने की आवश्यकता है।

ओम्प्रकाश गुप्ता मंत्री आर्य समाज जनता कॉलोनी जयपुर।

3– जोधपुर में ऋषि की 200वीं जन्मजयंती उत्सव मनाने का संकल्प– सभी आर्यसमाजो के सदस्यों और धर्म प्रेमी सज्जनों को

सूचित करते हुये अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जोधपुर आगमन 31 मई 1883 की स्मृति में प्रतिवर्ष मनायें जाने वाले और ऋषि की 200वीं जन्मजयंती उत्सव की श्रृंखला में दिनांक 31 मई और 1 जून को आर्यसमाज जोधपुर रातानाडा के प्रांगण में मनाया जा रहा है। ऋषि की स्मृति को याद करने और वैदिक धर्म की ज्ञान ज्योति पर्व को घर–घर पहुँचाने का संकल्प लेने इस कार्यक्रम में परिवार सहित पधार कर विद्वानों के मुख़ारविन्द से मधुर भजन, प्रवचन सुन कर अपनी आत्मा को शुद्ध करे और आनन्द को प्राप्त करे।

निवेदक श्री विजय सिंह भाटी प्रधान
आर्य समाज जोधपुर रातानाडा।

4– आर्यसमाज रावतभाटा के तत्वावधान में चल रहा निःशुल्क एक्युप्रेशर, सुजोक, वाइब्रेशन थैरेपी शिविर दिनांक 25.5.2023 को विक्रम नगर टाउन शिप में सायंकाल 7:30 बजे सम्पन्न हुआ। शिविर आर्य समाज में 11.05.2023 से 15.5.2023 गायत्री परिवार में 16.5.23 से 20.5.23 तक और विक्रम नगर में 21.5.23 से 25.5.23 तक चला। तीनों स्थानों पर लगभग 200 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। यह शिविर एक्यूप्रेशर रिसर्च ट्रेनिंग ट्रीटमेंट संस्था जोधपुर द्वारा आयोजित किया गया था। मंत्री ओम प्रकाश आर्य ने बताया कि अगला शिविर आर्य समाज तलवंडी कोटा में लगाया जाएगा. इस शिविर में मोटापा, ब्लडप्रेशर, डायबिटीज, पेट रोग, सरदर्द , कमर दर्द, घुटना दर्द, अनिद्रा दमा आदि रोगों का इलाज किया गया। शिविर समापन के अवसर पर प्रधान विनोद कुमार त्यागी, मंत्री ओम प्रकाश आर्य, कोषाध्यक्ष जीपी शर्मा, उपप्रधान मुनेन्द्र सिंह, सदस्य प्रवीन्द्र सिंह ने थैरेपिस्ट एस आर. सियाग और उनके सहयोगी खेमराज चौधरी को माल्यार्पण करके स्मृति चिन्ह् व धन्यवाद पत्र प्रदान कर अभिनंदन किया। वीरा क्लब की ओर से अध्यक्ष एस के चुग, जनरल सेक्रेटरी प्रवीन्द्र सिंह, ज्वाइंट सेक्रेटरी श्रीनिवास नायडू, सी सतीश, कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार, पुस्तकालय सचिव अभिजीत सिंह ने थेरेपिस्ट श्री शिवराज सियाग एवं खेमराज चौधरी को मैडल प्रदान कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। वीरा क्लब के उपस्थित सभी सदस्यों ने एक्यूप्रेशर शिविर की सराहना की और स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानकारी दी. आर्य समाज के इस प्रयास की प्रशंसा की। गायत्री मंत्र के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

5– विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आर्यसमाज रावतभाटा में पर्यावरण संरक्षण व जागरण के लिए एक साइकिल रैली निकाली गई। रैली में आरोग्य भारती, गायत्री परिवार, पर्यावरण समिति, शारदा साहित्य मंच, वन विभाग, शिखर आईटीआई, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों पर्यावरण प्रेमियों ने भाग लिया। साइकिल रैली आर्य समाज रावतभाटा से सिनेमा चौराहा, पुलिस थाना, आरपीएस, बालाराम चौराहा, फेस टू, हैवीवाटर, एनटीसी, चारभुजा, बप्पा रावल चौराहा होकर पुलिस चौकी चारभुजा पर जाकर सम्पन्न हुई। आर्य समाज रावतभाटा के रामराज मीना ने नाश्ते का प्रबन्ध किया। प्रधान विनोद कुमार त्यागी ने पेड़ों के संरक्षण व लगाने पर बल दिया। मंत्री ओम्प्रकाश आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कोषाध्यक्ष जी.पी. शर्मा व मुनेन्द्र सिंह ने रैली में सहयोग किया। रैली में भाग लेने वाले सभी की साइकिलों पर पर्यावरण संरक्षण के नारे से संबंधित नारे लिए हुए थे। इस अवसर पर दशहरा मैदान में पांच पौधे लगाए गए।

6– **आर्यसमाज छानी बड़ी** के तत्वाधान में राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा के दो दिवसीय लघु गुरुकुल का आयोजन किया गया जिसमे जींद से पधारे आचार्य कर्मवीर आर्य व महिला आचार्य मनीषा जी ने महिलाओं के सत्र में ईश्वर धर्म राष्ट्र

पाखंड और अंधविश्वास पर तर्क पूर्ण तरीके से विवेचना कर इनसे बचने और रामकृष्ण के आदर्श को जीवन में आत्मसात कर वर्तमान स्थिति में भारत जिस सांस्कृतिक और चारित्रिक पतन की और अग्रसर है उसे वेद सम्मत रीति से बचाने का संकल्प दिलाया गया। मुख्य आयोजक आर्यसमाज प्रधान श्री राजपाल आर्य मंत्री श्री मानसिंह आर्य कोषाध्यक्ष श्री बलजीत आर्य द्वारा आवासीय व्यवस्था की गई व सभी शिविरार्थियों और आए हुए अतिथियों का आभार व्यवक्त किया गया कार्यक्रम में विशेष रूप से पधारे जिला आर्य प्रतिनिधि सभा बीकानेर के प्रधान श्री गोवर्धन चौधरी संगरिया आर्यसमाज के मंत्री डाक्टर आत्मा राम गर्ग उनकी भार्या व राजस्थान आर्य प्रतिनिधि सभा के अंतरंग सदस्य श्री बलवंत निडर मंडल प्रभारी वा राजस्थान आर्य प्रतिनिधि सभा के उप प्रधान आर्य आनन्दमोहन आर्य समाज हनुमानगढ़ की प्रधान श्रीमती प्रवेश छाबड़ा उप प्रधान श्रीमती पुष्पा आर्य श्रीमती वंदना आर्य व अन्य आर्यसमाजों से पधारे का विशेष सहयोग रहा आर्यवीर दल के जिला प्रभारी श्री सत्य देव आर्य का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ स्वामी यज्ञ मुनि जी का सात्विक सानिध्य और आर्य समाज छानी के सम्मानित कार्यकर्ताओं की भूमिका सराहनीय रही इसके साथ हिसार आर्य निर्मात्री सभा के प्रभारी की गरिमामई उपस्तिथि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग दिया।

7– **आर्यसमाज छानी बड़ी जिला हनुमानगढ** के तत्वाधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती की द्वितीय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दिनांक 03 व 04 जून, 2023 को राष्ट्रीय आर्य निर्मात्री सभा के दो दिवसीय लघु गुरुकुल का आयोजन किया गया जिसमे जींद से पधारे आचार्य कुलवीर जी आर्य ने पुरुषों व महिला आचार्या मोनिका जी आर्या ने महिलाओं के सत्र में ईश्वर, धर्म, अर्थ, वेद, उपासना, राष्ट्र विषयों पर तर्क पूर्ण तरीके से विवेचना की। पाखण्ड और अंधविश्वास से बचने और राम, कृष्ण के आदर्श को जीवन में आत्मसात कर वर्तमान स्थिति में भारत जिस सांस्कृतिक और चारित्रिक पतन की और अग्रसर है उसे वेद सम्मत रीति से बचाने का संकल्प दिलाया गया। मुख्य आयोजक श्री राजपाल आर्य श्री मानसिंह आर्य श्री सुभाष जी आर्य महावीर जी आर्य, बलजीत जी आर्य द्वारा आवासीय व्यवस्था की गई व सभी स्त्रार्थियो और आए हुए अतिथियों का आभार व्यवक्त किया गया कार्यक्रम में विशेष रूप से पधारे जिला आर्य प्रतिनिधि सभा बीकानेर के प्रधान श्री गोवर्धन जी चौधरी संगरिया आर्य समाज के मंत्री डाक्टर आत्मा राम जी गर्ग उनकी भार्या व राजस्थान आर्य प्रतिनिधि सभा के अंतरंग सदस्य श्री बलवंत जी निडर मंडल प्रभारी राजस्थान आर्य प्रतिनिधि सभा के उप प्रधान व इस कार्यक्रम के प्रेरणास्रोत आर्य आनंद मोहन जी आर्य समाज हनुमानगढ़ की प्रधान श्रीमती प्रवेश जी छाबड़ा उप प्रधान श्री मती पुष्पा जी आर्या श्रीमती वंदना जीआर्या व अन्य आर्य समाजों से पधारे यशवीर जी आर्य, ललित जी आर्य, आइदान जी आर्य, का विशेष सहयोग रहा आर्यवीर दल के जिला प्रभारी श्री सत्य देव आर्य का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ स्वामी यज्ञमुनि जी का सात्विक सानिध्य और आर्यसमाज छानी के सम्मानित कार्यकर्ताओं ज्ञानचंद जी आर्य, रामेश्वरलाल जी आर्य, सुरेन्द् सुथार ,सतपाल आर्य, प्रदीप आर्य, कृष्ण कुमार जी अध्यापक कृष्णचन्द्र, सुरेश जी प्रधानाचार्य, लालचंद जी सुथार, प्रेम प्रकाश जी प्रधानाचार्य, विजयपाल आर्य, श्रीराम जी गोयल, सत्यनारायण जी गोयल, गीता जी आर्या, बिमला जी आर्या,सुमन जी आर्या ,मंजू देवी की भूमिका सराहनीय रही इसके साथ हिसार आर्य निर्मात्री सभा के प्रभारी श्री अनिल जी आर्य,

सुरेन्द् जी आर्य,व श्री ज्ञानेश्वर जी आर्य की गरिमामई उपस्तिथि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग दिया। अंतिम सत्र के बाद लगभग एक सौ महिलाओं और पुरुषों ने यज्ञ में शामिल होकर यज्ञोपवीत धारण किया।

8– **जोधपुर** के सभी आर्यो के सहयोग से महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति भवन न्यास जोधपुर में आयोजित सात दिवसीय आर्य बालक व्यक्तित्व निर्माण, व्यायाम प्रशिक्षण आवासीय शिविर आज संपन्न हुआ सभी बालकों को शिविर प्रमाण पत्र व प्रतियोगिता में भाग लेने पर सफलता का मेडल योग्यतानुसार स्वामी श्रद्धानन्द जी के आशीर्वाद से श्री जय सिंह गहलोत कोषाध्यक्ष व आचार्य वरुण देव जी के सानिध्य में प्रदान किया गया इस शिविर की विशेषता यह रही की यहा बालको को यज्ञ करने की विधि शुद्ध मन्त्रोचारण व ऋषि दयानंद जी का कृतित्व बताया गया और रात्रि में प्रोजेक्टर द्वारा शिक्षाप्रद चल चित्र दिखाया गया व प्रातः व्यायाम आसन प्राणायाम व साँय शक्ति प्रदर्शन जिसमे लाठी का भी प्रशिक्षण कुलदीप जी आर्य व कमल जी आर्य द्वारा दिया गया विक्रम जी आर्य द्वारा बॉक्सिंग का भी प्रशिक्षण दिया गया और विभिन्न प्रकार की सामाजिक सिद्धांतिक परीक्षाओं का भी आयोजन किया गया और सफल प्रतिभागी को मेडल प्रदान किया गया शिविर में भाग लेने वाले बालको के माता पिता ने स्मृति भवन न्यास के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया इस शिविर में जोधपुर के अलावा बलोतरा और हरियाणा से भी आर्य वीर आए थे सभी का धन्यवाद श्री विजय सिंह भाटी प्रधान आर्य किशनलाल गहलोत मन्त्री श्री जय सिंह गहलोत कोषाध्यक्ष

9 – आर्यसमाज रावतभाटा के द्वारा आयोजित होने वाली वैदिक प्रशनोत्तरी प्रतियोगिता वर्ष 2022 सम्पन्न–वैदिक प्रशनोत्तरी प्रतियोगिता में वर्ष 2022 में कुल 1000 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। कोटा – रावतभाटा (राजस्थान) , धार (मध्य प्रदेश), धनबाद (झारखंड), हिंगोली (महाराष्ट्र) के कक्षा 6 से 12 तक के एक हजार छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता ''वैदिक रश्मि'' पुस्तक के आधार पर स्वाध्याय आधारित आयोजित की गई थी। मंत्री ओम्प्रकाश आर्य ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रत्येक प्रतियोगी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले 42 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल, द्वितीय आने वाले 29 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल, तृतीय आने वाले 35 विद्यार्थियों को ब्रांज मेडल और 35 विद्यार्थियों को भी सांत्वना के रूप में ब्रांज मेडल से नवाजा गया। चारों को मिलाकर कुल 141 मेडल प्रदान किए गए। प्रधान विनोद कुमार त्यागी ने बताया कि वर्ष 2023 में श्श सत्यार्थ सुगंध पुस्तक के आधार पर उक्त प्रतियोगिता कराई जाएगी। प्रतियोगिता की सूचना व निर्देश जुलाई 2023 से प्रारंभ हो जाएगा। इस वर्ष सर्वाधिक विद्यार्थी धनबाद से सम्मिलित हुए थे। सभी प्रतिभागियों को उदयपुर संभाग के उपप्रधान नरदेव आर्य ने शुभकामनाएँ प्रेषित किया।

–मंत्री ओम्प्रकाश आर्य आर्यसमाज रावतभाटा।

10 – **23–24 सितम्बर को जयपुर में होगा आर्य महासम्मेलन–** महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष में आगामी सितंबर माह की 23 एवं 24 दिनांक को जयपुर में आर्य महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया जाएगा। उक्त सम्मेलन में संपूर्ण राजस्थान प्रांत से एवं अन्य प्रांतों से गुरुकुल, डीएवी शिक्षण संस्थाओं एवं स्थानीय आर्य समाजों द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों के साथ 25,000 से अधिक आर्यजनों की उपस्थिति संभावित है। द्विदिवसीय इस सम्मेलन में विभिन्न सत्रों में महर्षि

दयानन्द सरस्वती के दर्शन, स्वातंत्र्यसमर एवं दयानन्द सरस्वती, आर्यसमाज का राष्ट्र निर्माण में योगदान महिला सम्मेलन, दयानंद सरस्वती की राजनीतिक अवधारणा, दलितोद्धार, नवजागरण एवं आर्य समाज आदि आदि अनेक विषयों पर सम्मेलन, कार्यक्रम एवं संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। आर्य समाज के युवा संगठन आर्यवीर दल द्वारा शक्ति प्रदर्शन, व्यायाम प्रदर्शन, विभिन्न योगमुद्राओं का प्रदर्शन, नाट्य प्रस्तुतियॉ एवं राष्ट्र भक्ति से ओत–प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन भी किये जायेंगे। इस अवसर पर भारतवर्ष से सुप्रसिद्ध संन्यासी, विद्वान्–विदुषी, भजनोपदेशक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनेता सम्बोधित करेंगे।

समस्त आर्यसमाजों के पदाधिकारियों एवं संस्थाओं से आग्रह है कि उक्त दिनांकों में उत्सव एवं कार्यक्रम नहीं रखें।

जीववर्धन शास्त्री, मन्त्री
आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान

11 – जीवों की सहायता के लिए **आर्य कन्या विद्यालय समिति अलवर** के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सहयोग से आज दिनांक 15 जून 2023 गौ जीव परमार्थ सेवा संस्थान, तूलेड़ा को बीमार व पीडित जीव एवं गौ वंश को हरा चारा गौशाला के मिनी ट्रक से वैदिक विद्या मन्दिर, स्वामी दयानन्द मार्ग, अलवर से प्रातः भिजवाया गया।

12– 'यज्ञो वै श्रेष्ठतमम् कर्म' यजुर्वेद पारायण दिव्य यज्ञ– भामाशाह श्री भगवान सिंह जी के सुयोग्य यशस्वी सुपुत्र श्री मानसिंह आर्य परिवार, भरतपुर द्वारा उपरोक्त कार्यक्रम अनुसार यजुर्वेद पारायण दिव्य यज्ञ दिनांक 16 से 18 जून 2023 तक किया गया। इस पारायण यज्ञ के ब्रह्मा एवं विशिष्ट व्याख्यान कर्ता आचार्य श्री अवनीश मैत्रिः जी–जयपुर रहे तथा शंका समाधान सत्र भी आयोजित हुआ।

यज्ञ के मुख्य यजमान श्रीमती रुचीसिंह एवं श्री सौरभ सिंह रहे तथा वेदपाठ श्री धर्मेंद्र शास्त्री–अलवर आर्ष गुरुकुल आबू पर्वत एवं श्री जतिन आर्य आत्मानंद वैदिक गुरुकुल रहे।

कार्यक्रम के संयोजक श्रीमती हेमलता– श्री मानसिंह आर्य (मंत्री जिला आर्य उप–प्रतिनिधि सभा भरतपुर – कुश्ती कोच राजस्थान सरकार रहे। कार्यक्रम कोठी गुलजार बाग, भरतपुर राजस्थान में सम्पन्न हुआ। संपर्क सूत्र– 9413191942

प्रचार सहयोगी संस्था श्री वेदकला संवर्धन परमार्थ न्यास–8290552000 रही।

13– दिनांक 12/06/2023 को पटेल नगर में समस्त ग्राम वासियों के तत्वावधान में आर्य वीर दल का संस्कार शिविर का शुभारंभ सभी आर्यों वीरों द्वारा हवन यज्ञ करके ध्वजारोहण किया गया जिसमें इस आयोजन कर्ता के भामाशाह दाकू देवी जी के सुपुत्र बाबूलाल जी व सरपंच पति रेवतराम जी, आर्य वीर दल के संभाग संचालक वीरेंद्र जी आर्य ,पतंजलि योग समिति के जिला संरक्षक शिवरतनजी आर्य, चुत्रा राम जी, भावी आर्य समाज अशोक जी, गौशाला श्रीराम के अध्यक्ष मांगीलाल जी, जोधपुर से नरपत सिंह जी बाभाबा, पीपाड़ आर्य समाज के सभी पदाधिकारी पटेल नगर के गणमान्य पोकर राम जी चांदोरा, मांगीलाल जी चांदोरा, लालजी, टोडाराम जी, अंबालाल जी, लालाराम जी अनेक गणमान्य की उपस्थिति में इस शिविर का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ शुरु किया गया। इस शिविर में 80 से अधिक फार्म का पंजीयन हुआ। शिविर का संचालन भागचंद जी, व मनोज जी प्रांतीय संचालक से किया गया। बहुत ही सुंदर व्यवस्था के साथ जूडो कराटे नमस्कार सर्वांग सुंदर सुंदर वयायाम के साथ शुरू किया गया।

मारवाड़ भीनमाल राजस्थान में सनातन संस्कृति रक्षा जागरण मंच व आर्य समाज भीनमाल के संयुक्त तत्वावधान में १०८ कुण्डीय यज्ञ में ४०० जोड़ों के द्वारा राष्ट्र की स्मृद्धि के लिए आचार्य ओमप्रकाश जी अधिष्ठाता आर्ष गुरुकुल माउंट आबू के ब्रह्मत्व में आहुतियां।

जोधपुर के सभी आर्यो के सहयोग से महर्षि दयानंद सरस्वती स्मृति भवन न्यास जोधपुर में आयोजित सात दिवसीय आर्य बालक व्यक्तित्व निर्माण ,व्यायाम प्रशिक्षण आवासीय शिविर संपन्न।

पटेल नगर,बिल्लाड़ा, जोधपुर का आर्य वीरदल व्यायाम प्रशिक्षण शिविर संपन्न।

डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/214/2023-25 आर. एन. आई नं.10471/60

23 एवं 24 सितंबर 2023 को भावी आर्य महासम्मेलन, जयपुर राजस्थान हेतु सर्वप्रथम आर्य प्रतिनिधि सभा भवन जयपुर में आर्य जनों की बैठक।

प्रेषकः-

सम्पादक
आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
राजा पार्क, जयपुर-302004

प्रेषित